

## हिंदी आशु भाषण प्रतियोगिता

विशेष निर्णायक गणों की मौजूदगी में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में हुई जिसमें बड़ी संख्या में विद्यालय के बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और खुलकर अपने विचार रखे। आशु भाषण प्रतियोगिता कक्षा 6 वीं से लेकर 8 वीं तक जूनियर वर्ग तथा 9 वीं से लेकर 10 वीं तक सीनियर दो वर्ग में हुई। मंच पर आने के बाद बच्चों को तत्काल विषय पर दो मिनट में अपने विचार हिन्दी में प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। आशु भाषण प्रतियोगिता के विषय बेहद रोचक थे जैसे अगर मैं गुजरात का कलेक्टर होता, अगर मैं देश का राष्ट्रपति होता, अगर मैं प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, शिक्षामंत्री, रेल मंत्री होता, अगर मैं अमिताभ बच्चन होता, अगर मैं भारत का राष्ट्रपति होता, अगर मैं लेखक, कवि, उपन्यासकार, एक्टर होता, समाज सेवक होता के अलावा भ्रष्टाचार की चुनौती, ईमानदारी, स्वच्छ भारत जैसे विषय पर भी बच्चों को भाषण के लिए दिए गए थे। निर्णायक प्रवीण सर ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में विजयी होने से ज्यादा महत्वपूर्ण है इसमें भाग लेना। उन्होंने सभी बच्चों को बिना झिझक इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने की सीख दी।